तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज
31.7.17	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप./ अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी दौरे पर/ ~~अन्य कार्य में व्यस्त~~। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक- 18.8.17 -को पेश हो
18.8.17	इजलासी पेशी देने पर पत्रावली आज पेश हुई। ~~अधिकारिता हेतु सक्षम न्यायालय का अधिभार होने से~~ अग्रिम कार्यवाही हेतु दिनांक 4.10.17 को पेश हो।
4/10/17	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. वर्क सस्पेंड किया अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक- 6.11.17 -को पेश हो
6/11/17	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक- 28.12.17 -को पेश हो
28/12/17	पत्रावली पेश हुई। ~~वकील प्रार्थी~~/ वादी/ उभय पक्षकारान उप. पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दि॰ 11-1-18 को पेश हो
11-1-18	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक- 16.3.18 -को पेश हो
16/07/18	इजलासी पेशियों से पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक- 28/09/18 -को पेश हो
28/09/18	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक- 12/12/18 -को पेश हो

Scanned by CamScanner

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
13/05/19	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ ~~अन्य कार्य में व्यस्त।~~ पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 23/05/19 को पेश हो।	
23/05/19	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।~~ अधिवक्तागण का कार्य स्थगन पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 28/08/19 को पेश हो।	
28/08/19	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 22/11/19 को पेश हो।	
22/11/19	वकुलाय उभयपक्ष उप०। प्रार्थना पत्र रिविजी में संबंधित मूल वादपत्र राजस्व मण्डल में विचाराधीन है तथा प्रा० पत्र रिविजी से संबंधित मूल प्रा० पत्र टी० आई० पूर्व में Confirm की जा चुकी है। अत: प्रा० पत्र रिविजी में आगे कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है। प्रार्थना पत्र रिविजी इसी स्तर पर Drop की जाती है। पत्रावली कैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।	

Scanned by CamScanner